31 AUG 2019

GENERAL STUDIES (Module – 9)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–GS19

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Girdhari lal Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19|E017

Center & Date: 31|08|2019, Delhi **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0856006

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. चक्रीय अर्थव्यवस्था क्या है? भारत में चक्रीय अर्थव्यवस्था की आवश्यकता का उल्लेख कीजिये।
(150 शब्द) 10

What is circular economy? Highlight the need of circular economy in India.
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चक्रीय अर्थव्यवस्था सेवा, विनिर्माण, कृषि क्षेत्र के परस्पर संबंधों को

चक्रीय अर्थव्यवस्था अपशिष्ट व बेकार पदार्थों के प्रबंधन के माध्यम से नवीन पदार्थों के निर्माण की बात करती है (विश्व आर्थिक मंच)

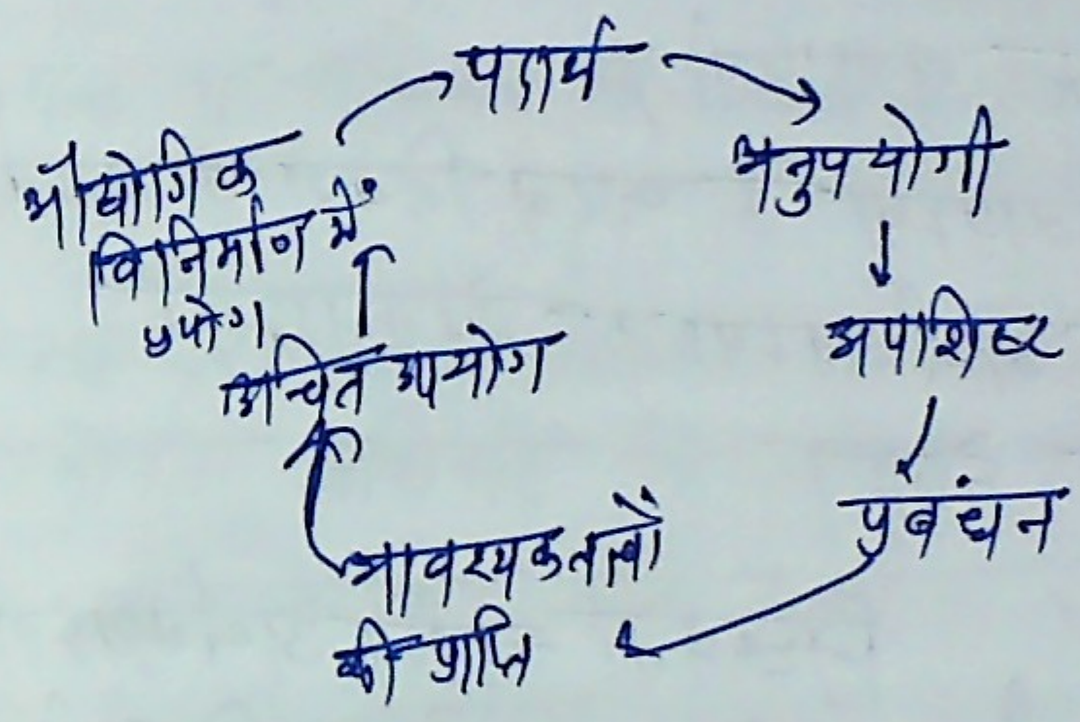

आवश्यकता

① चक्रीय अर्थव्यवस्था के कारण वर्तमान अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा।

② इसके कारण नवीन रोजगार का सृजन होगा।

③ खनन गतिविधियों में कमी के कारण पर्यावरणीय लाभ भी प्राप्त होगा तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या पर नियंत्रण किया जा सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

![drishti logo]

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

④ चक्रीय अर्थव्यवस्था के कारण वर्तमान समुद्री अर्थव्यवस्था पर अपशिष्टों के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

⑤ चक्रीय अर्थव्यवस्था रेडिया धर्मिता में कमी लायेगी तथा इस कारण स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहायता प्राप्त होगी।

⑥ चक्रीय अर्थव्यवस्था विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत को निर्यात प्रतिस्पर्धी राष्ट्र बनाएगी।

⑦ चक्रीय अर्थव्यवस्था के कारण निवेश व तकनीक के माध्यम से अर्थव्यवस्था का संरचनात्मक परिवर्तन भी होगा।

निष्कर्षतः चक्रीय अर्थव्यवस्था आर्थिक, पर्यावरणीय व रोजगार की दृष्टि से आवश्यक है अतः इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. हाल ही में पारित उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2019 के प्रावधानों और महत्त्व का उल्लेख कीजिये।
(150 शब्द) 10

Highlight the provisions and significance of recently passed Consumer Protection Bill 2019.
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बदलते वैश्विक परिदृश्य व तकनीकी प्रयोग के कारण भारत द्वारा अपने उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2019 को पारित किया गया।

प्रावधान

① इसके तहत उपभोक्ता को चार अधिकार दिये गए इनमें सूचना का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, चयन का अधिकार व शिकायत का अधिकार शामिल है।

② इस विधेयक के माध्यम से ई-कॉमर्स के तहत उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण की बात की गई।

③ अपील के लिए तीन स्तरीय संरचना का निर्माण किया गया।

केन्द्र → निश्चित सीमा नहीं
↑
राज्य
↑
जिला → 20 लाख तक के विवाद

④ प्रस्तुत विधेयक में डेटा स्थानीयकरण व निजता के अधिकार के संरक्षण का भी प्रावधान किया गया है।

⑤ प्रस्तुत विधेयक शिकायत व इसके निपटान की डिजिटल व्यवस्था व उपभोक्ताओं के जागरूकता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लिए भी प्रावधान करता है

प्रभाव ① ई- कॉमर्स को बढ़ावा।

② जागरूक उपभोक्ता का निर्माण

③ शिकायतों का त्वरित निपटान

④ निजता के अधिकार की सुरक्षा।

⑤ उपभोक्ता अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान को समर्थन।

⑥ श्रेष्ठ वैश्विक प्रक्रियाओं को लागू किया गया।

⑦ शिकायत निपटान की विकेन्द्रीकृत व प्रभावी व्यवस्था।

निष्कर्षतः इस विधेयक से संबंधित चुनौतियों के समाधान व [illegible] पारित होने वाले अधिनियम का उचित क्रियान्वयन कर उपभोक्ता अधिकार को संरक्षित किया जा सकता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. नियामक सैंडबॉक्स फिनटेक (वित्तीय तकनीकी) फर्मों को बिना किसी भय के संचालित होने में सहायता प्रदान करेगा। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Regulatory sandbox will help fintech firms disrupt without fears. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

फिनटेक फर्म व्यवसाय में डिजिटल तकनीकों के उपयोग के माध्यम से कार्य करती है जिनमें आपूर्ति शृंखला प्रबंधन व भुगतान शामिल है।

वर्तमान में डिजिटल मीडिया व ई-कॉमर्स के बढ़ते दायरे के कारण फिनटेक फर्मों का कार्यक्षेत्र विस्तृत होता जा रहा है। इसके कारण इन पर अधिक नियंत्रण, साइबर धोखाधड़ी, डेटा चोरी का भय विद्यमान रहता है। पेटया-रैनसमवेयर द्वारा इस भय को बढ़ा दिया गया।

इस कारण नियामक सैंडबॉक्स की आवश्यकता उत्पन्न हुई है-

① इसके कारण फिनटेक कम्पनियों में पारदर्शिता का समावेश होगा तथा समय रहते कमियों को पहचाना जा सकेगा।

② नियामक सैंडबॉक्स के कारण डेटा सुरक्षा में वृद्धि होगी।

③ नियामक सैंडबॉक्स साइबर सुरक्षा के एकीकृत व समान ढाँचे के निर्माण में सहायता प्रदान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कना।
④ इसके कारण वित्तीय धोखाधड़ी पर नियंत्रण किया जा सकेगा।
⑤ नियामक सैंडबॉक्स के कारण सरकारी अनुक्रिया में वृद्धि होगी तथा साइबर सुरक्षा के वर्तमान ढाँचे की निरंतरता के साथ समीक्षा की जा सकेगी।
⑥ नियामक सैंडबॉक्स विदेशी सहयोग के साथ-साथ देय स्थानीयकरण के कारण इन कम्पनियों के दुरुपयोग की सम्भावना में कमी आयेगी।
⑦ इस कारण डिजिटल चुगतान व डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

निष्कर्षतः नियामक सैण्डबॉक्स व अन्य सुरक्षा उपायों के माध्यम से फिनटेक कम्पनियों तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था की सुरक्षा की जानी चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सामाजिक-आर्थिक विकास में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। व्याख्या कीजिये। इसके अतिरिक्त एम.एस.एम.ई. के पिछड़ेपन को बढ़ावा देने वाली नीतिगत चुनौतियों का उल्लेख कीजिये और आवश्यक उपाय सुझाइये। (150 शब्द) 10

MSMEs play a great role in socio-economic development. Explain. Also, highlight the policy challenges that foster dwarfism of MSMEs and suggest necessary measures. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

MSMEs निवेश के आधार पर ₹5 करोड़ तक के उद्योगों के रूप में जाने जाते हैं जो विनिर्माण, निर्यात में प्रभावी भूमिका अदा करते हैं।

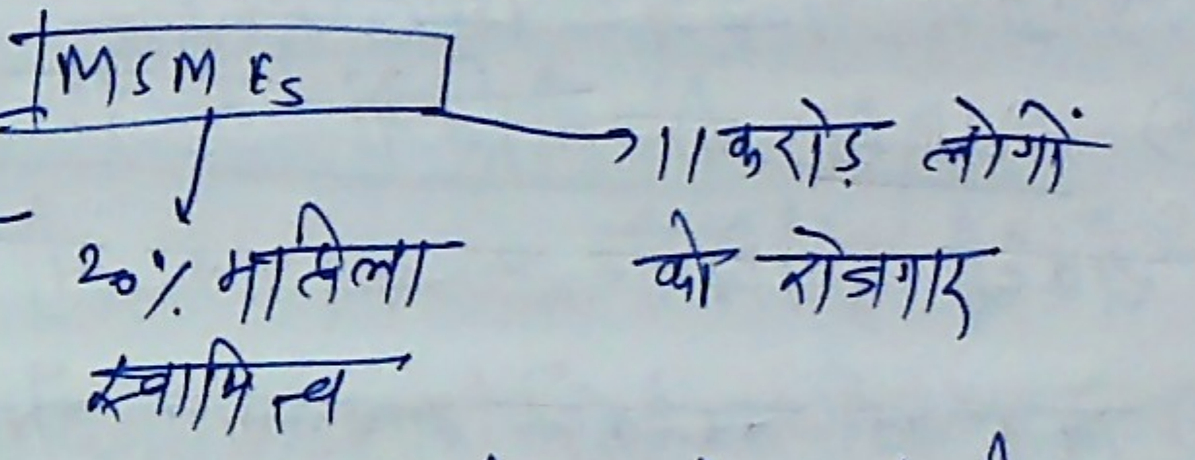

→ MSMEs महिला सशक्तीकरण में भागीदारी अदा करते हैं।

→ MSMEs कृषि व खादी उद्योग के माध्यम से ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देते हैं।

→ MSMEs रोजगार, निवेश, निर्यात के कारण आर्थिक दृष्टि से भी लाभप्रायक है।

नीतिगत चुनौतियाँ

① विभिन्न नीतियों यथा SEZ, CEC के कारण इनके मध्य समन्वय का अभाव।

② GST व्यवस्था के कारण MSMEs में ऋण व पूंजी संबंधी संकट सामने आया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

③ विभिन्न योजनाओं में समन्वय का अभाव है तथा बैंकिंग कमजोरी के कारण इनको पर्याप्त ऋण की उपलब्धता नहीं हो रही है।
④ विश्व व्यापार युद्ध के कारण भी MSMEs की वृद्धि बाधित रही है।

उपाय
① 59 मिनट में ऋण व प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन।
② MSMEs की नीतियों में समन्वय तथा GST संबंधी चुनौतियों का समाधान भी आवश्यक है।
③ वित्त एवं तकनीक के साथ-साथ कौशल विकास पर भी बल दिया जाना चाहिए।
④ MSMEs क्षेत्र में कर व नियंत्रण संबंधी प्रावधानों में युक्तिसंगतता लाई जानी चाहिए।

निष्कर्षतः भारत को विनिर्माण हब बनाने, रोजगार व निर्यात को बढ़ावा देने के लिए MSMEs से संबंधित नीतिगत चुनौतियों का समाधान भी आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. प्रो. सी.वी. रमन पहले एशियाई वैज्ञानिक थे जिन्हें नोवेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। विज्ञान के क्षेत्र में रमन प्रभाव के रूप में उनके योगदान एवं इसकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिये।(150 शब्द) 10

Prof. C.V. Raman was the first Asian scientist to be awarded a Nobel Prize. Explain his contribution of Raman Effect to science and its relevance. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

रमन प्रभाव प्रकाश के प्रकीर्णन व प्रकाश के अवशोषण के सिद्धांत पर आधारित है जो पदार्थ की किसी विशेष तरंगदैर्ध्य के प्रति प्रतिक्रिया को देखा जाता है।

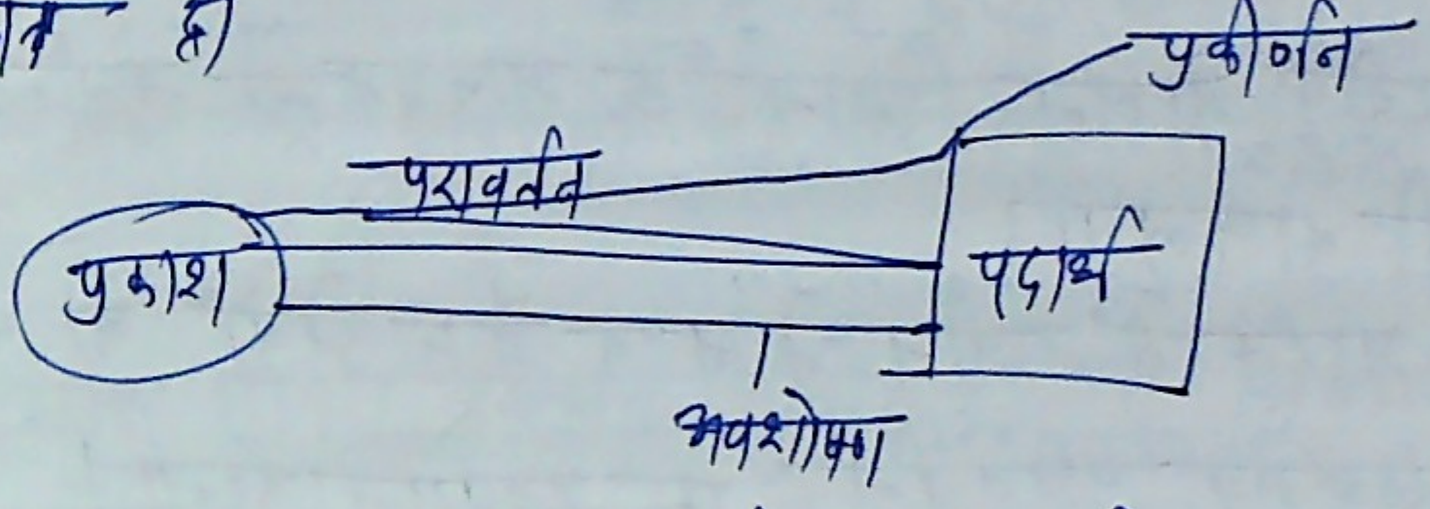

इस रमन प्रभाव की खोज पानी द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन व परावर्तन के आधार पर की गई। इसी कारण 1930 में सर सी. वी. रमन को भौतिकी के क्षेत्र का नोबेल भी दिया गया।

योगदान

① रमन प्रभाव के माध्यम से प्रकाश के नीले रंग व अन्य गुणधर्मों की खोज की गई।

② रमन प्रभाव के कारण भौतिकी गतिविधियों का वैज्ञानिक अध्ययन सम्भव हुआ।

③ रमन प्रभाव का प्रयोग नैनो तकनीक के विकास में भी किया गया।

④ रमन प्रभाव के रिमोट सेंसिंग में भी उपयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किया जा रहा है

③ परग्रहीय गुणधर्मों व जल व ऊर्जा स्त्रोत की पहचान भी रमन प्रभाव के आधार पर की जा रही है।

प्रासंगिकता

① चन्द्रयान के माध्यम से चन्द्रमा की स्थलाकृति, खनिज की जानकारी।

② डीप ओशन मिशन के माध्यम से नीली क्रांति की सफलता।

③ भारत में नवीन तेल व गैस क्षेत्रों की खोज।

④ जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करना।

⑤ ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति के लिए पृथ्वी एवं अन्य ग्रहों के गुणधर्मों में समानता व असमानता की स्थापना।

निष्कर्षतः रमन प्रभाव विज्ञान के क्षेत्र में क्रांति थी जिसकी प्रासंगिकता भूगर्भीय अध्ययन, सुरक्षा व अंतरिक्ष क्षेत्र में बनी हुई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

6. भारत में हाल ही में हुई अग्नि आपदाओं के संबंध में व्याख्या कीजिये कि देश में ये आपदाएँ निरंतर क्यों घटित हो रही हैं? (150 शब्द) 10

With respect to the recent fire disasters in India, explain why fire accidents are unabated in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूरत, दिल्ली एम्स व मुम्बई आग की घटनाओं ने भारत में अग्नि आपदाओं से संबंधित तैयारी की कमजोरी को उजागर किया।

भारत में वनों व विभिन्न अवसंरचनाओं में आपदाओं की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है-

(1) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार भवनों के निर्माण न करने से अग्नि आपदा में नुकसान की सम्भावना बढ़ जाती है। (सूरत की आग)

(2) आपदा के लिए कर्मचारियों के पास पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव होता है।

(3) अग्नि आपदा से निपटने के लिए पर्याप्त अवसंरचना की पहुँच भी प्रमुख बाधा है।

(4) उत्तराखण्ड के जंगलों में आग मानवीय हस्तक्षेप के कारण बढ़ती जा रही है।

(5) जलवायु परिवर्तन व बढ़ते तापमान के कारण भी आग की घटनाओं में वृद्धि देखी जा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रही है।
⑥ अग्नि आपदा से संबंधित दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया जाता तथा अवैध निर्माण व औद्योगिक गतिविधियों का परिचालन किया जाता है।

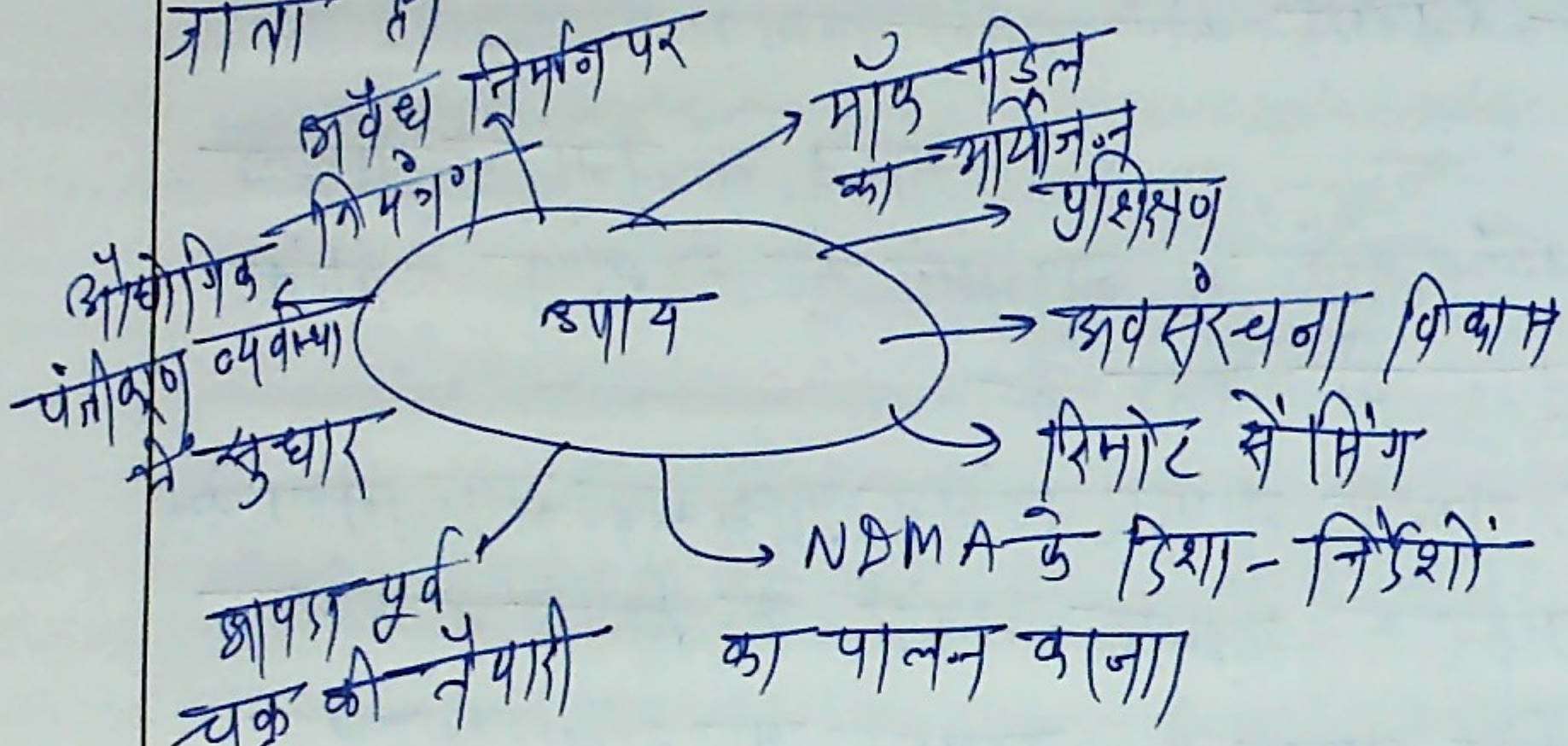

निष्कर्षतः अग्नि आपदा पर नियंत्रण के लिए सरकारी एजेंसियों के सहयोग के साथ-साथ जनता की जागरूकता भी आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. बांध एक वरदान है या अभिशाप? भारत में हाल ही में पारित बांध सुरक्षा विधेयक, 2019 के अनुरूप इस कथन का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Dams are a boon or a bane? Analyze in line with the recently passed Dam Safety Bill 2019 in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

बांधों से सम्बन्धित समस्याओं व सम्भावनाओं के दोहन के लिए बांध सुरक्षा विधेयक 2019 पारित किया गया।

प्रावधान

① इस विधेयक में बांध सुरक्षा प्राधिकरण व DRIP (बांध पुनः उद्धार व क्रियान्वयन प्रोजेक्ट) की भी सुझाव की गई है।

② बांध सुरक्षा के लिए डिजिटल रूप से डाटा अवसंरचना के विकास की बात की गई है।

③ केन्द्र-राज्यों के मध्य समन्वय व बांधप्रबंधन हेतु उचित व्यवस्था की स्थापना की गई है।

④ बांध सुरक्षा के लिए किसी तकनीक व निवेश के लिए भी प्रावधान किया गया है।

बांध: वरदान

① बांधों के कारण जल विद्युत का उत्पादन होता है तो कई विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।

② बांधों के कारण कृषि के लिए जल की उपलब्धता, पेयजल व वर्षा जल संचयन में सहायक होता है।

③ बांध सुरक्षा विधेयक 2019 के अनुसार बांध उस

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्षेत्र के लिए एक वरदान का कार्य करते हैं क्योंकि इससे निवेश व रोजगार के कार्यों में वृद्धि होती है

अभिशाप

(1) बांधों की सुरक्षा संबंधी चिंता को इस विधेयक में भी बताया गया।

(2) बांधों के कारण राज्यों के मध्य विवादों को भी बढ़ावा मिलता है। कर्नाटक-तमिलनाडु, कर्नाटक - महाराष्ट्र प्रमुख विवाद है।

(3) बांधों के कारण केरल जैसी बाढ़ भी पैदा हो सकती है।

(4) बांधों के कारण विकास प्रेरित विस्थापन भी सामने आता है।

निष्कर्षतः प्रस्तुत विधेयक के अनुसार बांधों से संबंधित चिंताओं का समाधान कर बांधों को वरदान में परिवर्तित किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. जहाँ कृषि निर्यात नीति, 2018 द्वारा प्रदत्त लाभ अनगिनत हैं, वहीं वांछित परिणामों की प्राप्ति के लिये विशिष्ट चुनौतियों से निपटने की आवश्यकता है। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

While the benefits offered by Agriculture Export Policy 2018 are numerous, achievement of desired results requires certain challenges to be addressed. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत द्वारा 2022 तक कृषि निर्यात को $30 बिलियन से बढ़ाकर $60 बिलियन व आगे $100 बिलियन करने के लिए कृषि निर्यात नीति की घोषणा की है।

लाभ व प्रावधान

(1) कृषि निर्यात को दोगुना करने से 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने की बात की गई है

(2) इसमें प्रमाणीकरण व्यवस्था की बात की गई है अतः जैविक पदार्थों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

(3) इस नीति में केन्द्र व राज्यों के हितों उत्तम समन्वय की बात की गई है अतः राज्यों की अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा।

(4) कृषि निर्यात के लिए एकीकृत संरचना के विकास से कृषकों को अधिक लाभ मिलेगा।

(5) निर्यात पर लगने वाले सैनेटरी व फाइटो सैनेटरी अवरोधों के नियंत्रण की बात की गई है।

(6) इस नीति में प्रसंस्करण अवसंरचना विकास के कारण रोजगार व निवेश में बढ़ोतरी होगी।

(7) इस योजना के कारण भारतीय निर्यात की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विविधता प्राप्त होगी।

चुनौतियाँ

① खाद्य प्रसंस्करण अवसंरचना के विकास के लिए वित्त व तकनीक की कमी।
② भारतीय उत्पादों के प्रमाणीकरण की विकेंद्रीकृत व्यवस्था का अभाव।
③ खाद्य सुरक्षा व निर्यात में समन्वय का अभाव।
④ वर्तमान कृषि संकट व मंदी भी प्रमुख चुनौतियों में से एक है।
⑤ उपभोक्ताओं के कारण भारतीय उत्पाद मँहगे हो जाते हैं।

निष्कर्षतः किसानों व अर्थव्यवस्था के लाभ के लिए कृषि निर्यात नीति 2018 के समक्ष विद्यमान चुनौतियों का समाधान किया जाना आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. हाल ही में अमेरिका ने सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (जी.एस.पी.) के अंतर्गत भारतीय निर्यात को दी जाने वाली वरीयता को वापस ले लिया है। इस संदर्भ में सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली की अवधारणा की व्याख्या करते हुए भारत पर इस वापसी के प्रभाव की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Recently, the US has withdrawn its preferential treatment to Indian exports under the Generalized System of Preferences (GSP). In this context, while explaining the concept of Generalized System of Preferences, discuss the impact of withdrawal on India.
(150 words) 10

अमेरिका द्वारा "अमेरिका फर्स्ट" नीति व व्यापार युद्ध के माध्यम से कार्य करते हुए ~~व्यापार युद्ध~~ संरक्षणवादी उपायों पर बल दिया जा रहा है। इसी क्रम में अमेरिका द्वारा भारत से कई सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली की वरीयता को वापस ले लिया है। इस प्रणाली के तहत किसी देश के उत्पादों की अमेरिकी बाजार में पहुँच में वृद्धि होती है। टैरिफ व नॉन टैरिफ अवरोधों में कमी की जाती है या उनको हटा लिया जाता है।

वर्तमान में भारत के लगभग 60 उत्पादों को इस प्रणाली का लाभ मिल रहा था। यह वरीयता विश्व व्यापार संघ के नियमों के अंतर्गत सकारात्मक विभेद के माध्यम से दी जाती है।

प्रभाव

① भारतीय उत्पादों की अमेरिकी बाजार में पहुँच बाधित होगी क्योंकि इसकी लागत में कमी आयेगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② भारत – अमेरिका व्यापार में कमी आयेगी जो वर्तमान में $75 बिलियन के लगभग है।

③ भारत को वियतनाम व चीन से व्यापारिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा।

④ इस प्रणाली के कारण भारत के विदेशी मुद्रा भण्डार में कमी आयेगी जो भारत के चालू खाता घाटे में वृद्धि का कारण बन सकता है।

⑤ भारत – अमेरिका के संबंधों के अन्य क्षेत्र भी प्रभावित होंगे।

उपाय

- विनिर्माण को बढ़ावा
- नये बाजारों की तलाश
- तकनीक व वित्त की उपलब्धता
- निर्यात को विविधता देना

निष्कर्षतः अमेरिका के साथ वार्ता के साथ-साथ अन्य वैकल्पिक उपायों के माध्यम से भारतीय हितों के संरक्षण का प्रयास किया जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. बंदरगाह अपने शहर और राज्य के लिये महत्त्वपूर्ण आर्थिक लाभ उत्पन्न करते हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Ports create significant economic payoffs for their city and state. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए सागरमाला परियोजना को बढ़ावा दिया जा रहा है जो बंदरगाहों के लाभों पर आधारित है।

लाभ

(1) बंदरगाह निर्यात का सस्ता विकल्प उपलब्ध करवाता है तथा उस राज्य को निर्यात पर चुंगी भी प्राप्त होती है।

(2) बंदरगाही विकास के कारण रोजगार का सृजन भी होता है क्योंकि उस क्षेत्र में विशेष आर्थिक क्षेत्र व निवेश को बढ़ावा दिया जाता है।

(3) बंदरगाह उस समुदाय के विकास पर भी बल देता है। इसी कारण महाराष्ट्र, गुजरात व कर्नाटक का तटीय समुदाय अधिक सशक्त है।

(4) बंदरगाह के कारण आंतरिक क्षेत्र से कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलता है।

(5) बंदरगाह के कारण नीली क्रांति की सम्भावनाओं का भी दोहन किया जा सकता है।

(6) बंदरगाह आधारित विकास उस शहर में आपूर्ति शृंखला के प्रबंधन में सहायक होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(1) बंदरगाहों के विकास के कारण कृषि व अन्य सम्बद्ध उत्पादों की पहुँच में वृद्धि होती है।

(2) बंदरगाह के कारण आवासीय क्षेत्र का विकास होता है जो राज्य व शहर के लिए सिल ओवर इफेक्ट का कार्य करता है।

इसी कारण सरकार द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र सागरमाला, तटीय आर्थिक क्षेत्र व विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है।

निष्कर्षतः बंदरगाह आधारित व विदेशी व्यापार में विकास के साथ-साथ शहर व राज्य के विकास में भी सहायक होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. सड़क क्षेत्र भारत में यात्रियों एवं माल ढुलाई दोनों की आवाजाही का सबसे बड़ा हिस्सा साझा करता है। भारत में सतही परिवहन के विकास में निहित चुनौतियों का परीक्षण कीजिये तथा इन चुनौतियों के समाधान हेतु उपाय सुझाईये। (250 शब्द) 15

The road sector in India accounts for the largest share in the movement of both passengers and freight. Examine the challenges and suggest measures for development of surface transport in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत में सड़क परिवहन यात्रियों व माल ढुलाई का सबसे बड़ा साधन है जो वर्तमान में कई समस्याओं से ग्रसित है।

वर्तमान में राष्ट्रीय व राज्य मार्गों के माध्यम से माल की ढुलाई की जाती है। साथ ही सड़क अवसंरचना की पहुँच में वृद्धि, रेलवे अवसंरचना की सीमितता व तटवर्ती परिवहन की लागत के कारण वर्तमान में भी यह परिवहन का सबसे बड़ा माध्यम है।

शहरी व ग्रामीण जनसंख्या के मध्य औद्योगिक गतिविधियों व परिवहन व्यवस्था का संचालन सड़क के माध्यम से ही किया जाता है। सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा भी इस तथ्य को उजागर किया है। लेकिन परिवहन का यह माध्यम से धीमा व मंहगा होता है। साथ ही अवसंरचनात्मक बाधा के कारण जान व माल का नुकसान भी अधिक होता है।

इसी कारण परिवहन के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अन्य साधनों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

चुनौतियाँ

① सरकार के पास एवं वित्त की कमी के कारण अवसंरचना विकास की गति धीमी है।

② PPP मॉडल में पर्यावरणीय व विभागीय अनुमोदनों में देरी के कारण लागत में वृद्धि हो रही है।

③ सड़कों पर विभिन्न बाधाओं (टोल) के कारण समय व लागत में बढ़ोतरी होती है।

④ ग्रामीण स्तर तक लास्ट माइल कनेक्टिविटी का प्रभाव देखा जाता है।

⑤ साथ ही भारतीय सड़कों की दुर्गमता में कमी के कारण दुर्घटनाओं में भी अधिकता होती है।

⑥ वैधिंग व्यवस्था में कमजोरी के कारण वित्तीय पहुँच में कमी आ रही है।

समाधान

① रोड मेंटेनेंस प्रोग्राम के माध्यम से सड़क अवसंरचना में गुणवत्ता का समावेश।

② BS-VI के माध्यम से गति व पर्यावरणीय पक्षों पर ध्यान देना।

③ PPP निर्माण के हाइब्रिड एन्युटि मॉडल

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उसाथ-साथ पर्यावरणीय मंजूरियों में सरकार की भूमिका हो।

(4) वित्त व तकनीक के लिए निजी क्षेत्र उसाथ सहयोग तथा परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जाना चाहिए।

(5) ई-वे बिल व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करना तथा डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना।

(6) एकीकृत परिवहन व्यवस्था (जलमार्ग, रेल व सड़क) का विकास।

निश्चित: सड़क परिवहन के साथ-साथ अन्य विकल्पों के माध्यम से परिवहन व्यवस्था में क्रांति लाई जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत में हम लंबे समय से रोज़गार-विहीन संवृद्धि के संकट का सामना कर रहे हैं, परंतु वर्तमान में देश के समक्ष बड़ी चुनौती बेरोज़गारी के बजाय अल्प-रोज़गार है। सुस्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

Since long, we are facing the crisis of jobless growth in India, but the bigger challenge that presently the country faces is underemployment rather than unemployment. Elucidate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

नीति आयोग तथा आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 के द्वारा भारत में रोजगार विहीन संवृद्धि के बजाय अल्प रोजगार को बड़ी समस्या माना है।

हमारी आर्थिक संरचना का ढाँचा दोषपूर्ण होने के कारण विनिर्माण क्षेत्र का विकास नहीं हुआ तो सेवा व कृषि क्षेत्र में रोजगार की सम्भावनाओं में कमी आ रही है इस कारण भारत में आर्थिक संवृद्धि व बेरोजगारी साथ-साथ बढ़ रही है जो रोजगारविहीन संवृद्धि का सूचक है।

इस कारण जनांकिकीय लाभांश का पूर्ण उपयोग नहीं किया गया तथा अर्थव्यवस्था के संस्थनात्मक परिवर्तन में बाधा बनी हुई है।

आवधिक रोजगार सर्वेक्षण के अनुसार वर्तमान में रोजगार के बजाय अल्परोजगार बड़ी बाधा है।

① वर्तमान में बढ़ती शिक्षा के कारण शैक्षिक बेरोजगारी की समस्या बढ़ रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② परिवार की आय में वृद्धि के कारण महिलाओं में कार्य करने की प्रवृत्ति में कमी आयी है तो उनमें शिक्षा का स्तर भी बढ़ा है।

दूसरी तरफ अल्परोजगार की समस्या अधिक भयानक है-

① अल्परोजगार के कारण अर्थव्यवस्था के ~~~~ संरचनात्मक परिवर्तन में बाधा बनी हुई है।

② अल्परोजगार के कारण जनांकिकीय लाभांश का पूर्ण उपयोग नहीं किया जा रहा है।

③ अल्प रोजगार के कारण आय में कमी, पूँजी निर्माण में बाधा के कारण आर्थिक संवृद्धि की दर में कमी आ रही है।

④ अल्प रोजगार के कारण सरकार को बेरोजगारी के सही आँकड़ों का ज्ञान नहीं हो पाता है।

⑤ अल्प रोजगार तकनीक व वित्त की प्राप्ति में भी बाधक है।

⑥ अल्प रोजगार के कारण सामाजिक सुरक्षा योजनाओं व श्रम सुधारों को लाए जाने में भी बाधा आ रही है।

⑦ अल्प रोजगार के कारण मानवीय संसाधनों का कुशल उपयोग नहीं हो पा रहा है तथा प्रति व्यक्ति आय में पर्याप्त वृद्धि नहीं होती।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपाय

① शिक्षा व्यवस्था में सुधार व गवाचारी संस्कृति को बढ़ावा।

② कौशल विकास के माध्यम से रोजगार प्रदाता का सृजन।

③ विदेशी निवेश व तकनीक के लिए व्यवसाय की सुगमता में वृद्धि

④ योजनाओं को समेकित रूप से लागू करना तथा मांग आधारित प्रशिक्षण।

निष्कर्षतः वर्तमान संरचनात्मक मंदी से बाहर निकलने तथा संचित विकास के लिए रोजगार सृजन व अल्परोजगार की समस्या को दूर करने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. भारत में नीली क्रांति की संभाव्यता तथा चुनौतियों का उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the potential and challenges of Blue Revolution in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

नीली क्रांति समुद्री संसाधनों का मानवीय उपयोग की दृष्टि से प्रसंस्करण व प्रबंधन करने से संबंधित है।

भारत में पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से ही नीली क्रांति पर बल दिया गया लेकिन भारत अभी भी इसका दोहन नहीं कर पाया है।

नीली क्रांति की संभावना

① भारत मत्स्यन उत्पादन में विश्व में द्वितीय स्थान पर है।

② सरकार द्वारा दिलीप कुमार व मीना समिति का निर्माण मत्स्यन की संभावना के दोहन के लिए किया है।

③ सरकार द्वारा डीप ओशन मिशन व मत्स्यन पर नीति निर्माण के माध्यम से सक्रिय सहयोग दिया है।

④ प्रधानमंत्री संपदा योजना, सागरमाला योजना के माध्यम से अवसंरचना का निर्माण किया जा रहा है।

⑤ भारत में विशाल जनसंख्या की खाद्य व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

पोषण सुरक्षा के लिए यह उपयोगी है।
(6) भारत के पास विशाल तट रेखा है।
(7) नीली क्रांति तेल व गैस के माध्यम से भारत की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान कर सकती है।
(8) नीली क्रांति के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा निवेश पर बल दिया जा रहा है।

चुनौतियाँ

① नीली क्रांति की सम्भावना के दोहन के लिए तकनीक व विदेश निवेश की कमी है।
② केन्द्र व राज्यों के मध्य समन्वय का अभाव भी संसाधनों के प्रबंधन में बाधा है।
③ भारतीय जलवायु (उष्णकटिबंधीय) के कारण समुद्री जीवों में वसा अधिक होती है तथा इस कारण इनकी उपयोगिता सीमित हो जाती है।
④ सामाजिक व सांस्कृतिक कारणों से भी मत्स्यन का पूर्ण उपयोग नहीं किया जाता।
⑤ समुद्री सुरक्षा की नीली क्रांति के समक्ष एक प्रमुख बाधा है।
⑥ वर्तमान में समुद्री पारितंत्र प्रभावित है तथा तेल व गैस अन्वेषण के कारण यह और अधिक प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(6) नीली क्रांति के लिए आवश्यक अवसंरचना, कोल्ड स्टोरेज व निर्यात नीति का अभाव है।

निष्कर्षतः रोजगार व खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से नीली क्रांति की सम्भावनाओं का सतत उपयोग किया जाना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. गरीबी दूर करने के क्रम में नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये कई योजनाएँ शुरू की गई हैं। इनके वांछित परिणाम क्यों नहीं प्राप्त हुए हैं? (250 शब्द) 15

There has been plethora of schemes for providing social security to citizen in order to address poverty. Why have they not yielded desired results? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत एक कल्याणकारी राज्य है तथा संवैधानिक आदर्शों समानता व सामाजिक न्याय की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ लागू की गई।

योजना

① पंचवर्षीय योजनाओं का मुख्य उद्देश्य गरीबी निवारण तथा सामाजिक सुरक्षा था।

② राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम तथा मनरेगा भी इसी दिशा मे एक प्रयास है।

③ अटल पेंशन योजना, सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अन्य पेंशन योजनाऐं।

④ साथ ही राज्यों द्वारा भी कई योजनाओं का निर्माण किया गया है यथा आमा[illegible] योजना।

वांछित सफलता क्यों नहीं

① योजनाओं मे अधिकता के कारण कई योजनाऐ अपने उद्देश्यों मे सफल नहीं हुई।

② योजनाओं का निर्माण टॉप डाउन एप्रोच के आधार पर किया गया।

③ योजनाओं के लाभार्थियों के चयन व लाभ वितरण मे अनियमितता थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(4) लोगों में कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का अभाव होता है।

(5) सरकारी मशीनरी की निष्क्रियता, लालफीताशाही व यथास्थितिवादी दृष्टिकोण भी इन योजनाओं की सफलता में बाधक है।

(6) कई योजनाएं केन्द्र व राज्यों के सहयोग के अभाव के कारण भी असफल हो गई। किसान सम्मान निधि व आयुष्मान भारत योजना की सफलता में भी केन्द्र - राज्य असहयोग प्रमुख बाधा है।

(7) योजनाओं का निर्माण मांग आधारित दृष्टिकोण के बजाय सरकारी केन्द्रीकृत दृष्टि से किया जाता रहा है।

(8) सामाजिक लेखा परीक्षा, तकनीकी प्रयोग के अभाव के कारण योजनाओं की मध्यावधि समीक्षा का अभाव रहा है।

(9) गरीबी निवारण की विभिन्न योजनाओं के लिए फण्ड का समय पर आवंटन नहीं किया गया तो वित्तीय व राजनीतिक विकेन्द्रीकरण के अभाव में ग्राम सभाओं को इन योजनाओं में शामिल नहीं किया गया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

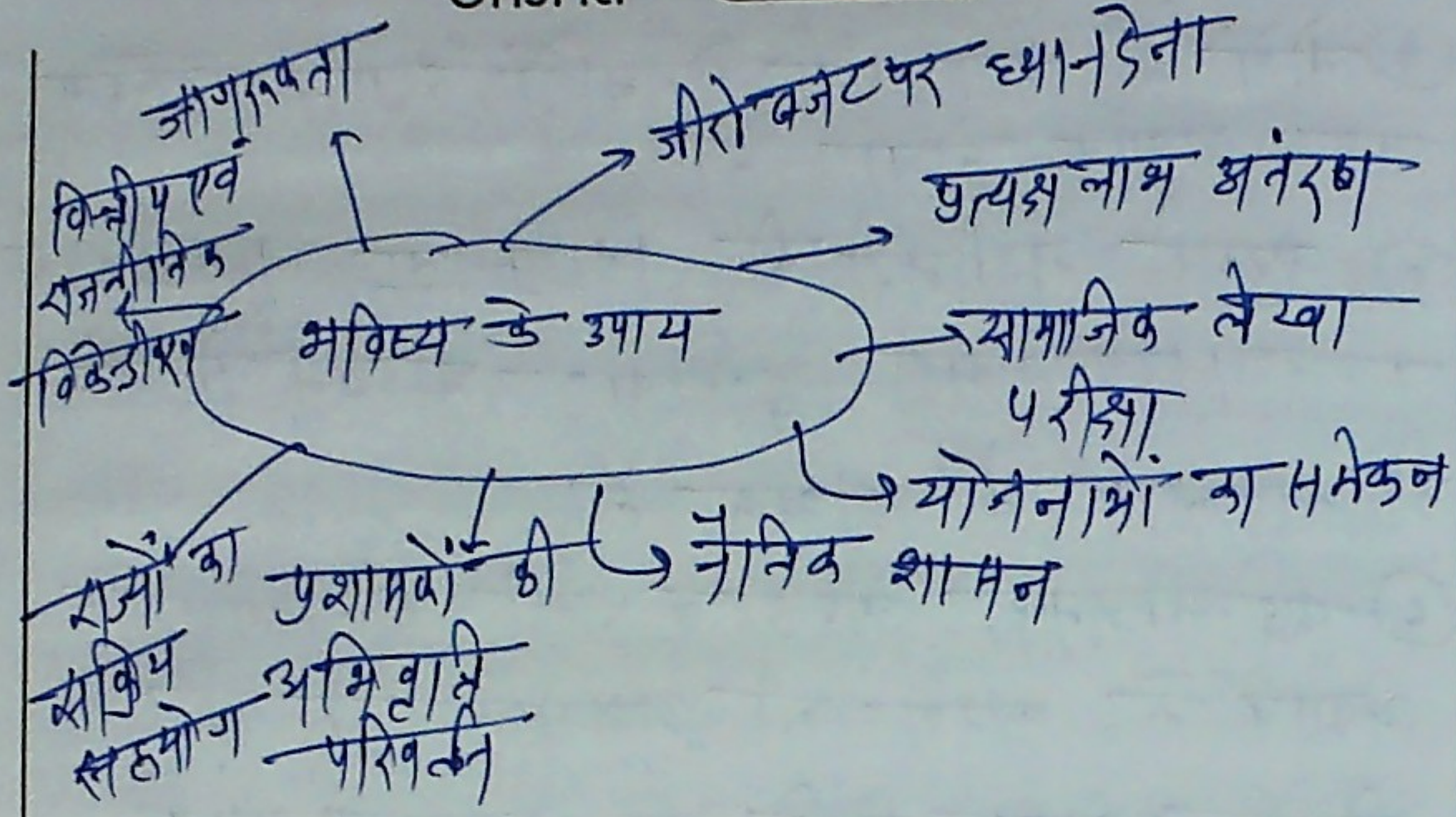

निष्कर्षतः सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति एवं 2022 तक नवीन भारत के निर्माण के लिए योजनाओं के समक्ष विद्यमान चुनौतियों का समाधान आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. हाल ही में दूरसंचार विभाग ने भारत में मोबाइल ऑपरेटरों को 5जी परीक्षण शुरू करने की अनुमति प्रदान की है। 5जी के क्या लाभ हैं और इसके समक्ष चुनौतियों को गिनाइये। (250 शब्द) 15

Department of Telecommunication has recently allowed mobile operators in India to start 5G trials. What are the advantages of 5G and enumerate the challenges ahead of it. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में 5G तकनीक की व्यवहार्यता के लिए पॉल एप्पलबाई समिति का गठन किया गया तथा सरकार के सहयोग से इस क्षेत्र में परीक्षण भी किये जा रहे हैं।

5G संचार की एक नवीन तकनीक है जो रेडियो तरंगों के तीव्र गति से संचरण के साथ-साथ सुरक्षा का भी ध्यान रखती है।

लाभ

(1) लो लेटेंसी दर होने के कारण 5G को भविष्य की तकनीक मानी जा रही है।

(2) 5G, 4G की तुलना में 100 गुना अधिक तीव्रता से डाटा का संचरण कर सकती है।

(3) 5G के माध्यम से संचार सम्प्रेषण की दर भी बढ़ जायेगी।

(4) 5G औद्योगिक क्रांति 4.0 के लिए एक आवश्यक घटक है।

(5) 5G से रोजगार का सृजन होगा तथा एक ज्ञान आधारित समाज का निर्माण होगा।

(6) 5G परियोजना मोबाइल क्रांति व सरकारी डेटा सम्प्रेषण में तीव्रता लायेगी तथा विदेशी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निवेश में वृद्धि होगी।
① 5G के कारण भारतनेट व नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के क्रियान्वयन में भी सहायता मिलेगी।

समस्या चुनौतियाँ
① भारत में अभी तक ग्रामीण क्षेत्र में 4G की भी पहुँच नहीं है अतः 5G अभी दूर की बात है।
② 5G के लिए अवसंरचना की आवश्यकता होगी जो सार्वजनिक खर्च को बढ़ावा देगा।
③ 5G के कारण डेटा चोरी की घटना भी बढ़ जायेगी क्योंकि वर्तमान डेटा संरक्षण उपाय अप्रभावी हो जायेंगे।
④ 5G के कारण ग्रामीण व शहरी विषमता में और अधिक बढ़ोतरी होगी।
⑤ 5G के लिए निवेश के कारण बैंकों व अन्य वित्तीय संस्थाओं पर दबाव आयेगा जो अभी संकट की स्थिति में है।
⑥ 5G को लेकर अभी लोगों में जागरूकता का अभाव है।
⑦ 5G के लिए भारत को तकनीक की आवश्यकता होगी जो भारत के पास नहीं है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

भारत को 5G के लाभों ज्ञान आधारित समाज, डिजिटल इण्डिया की सफलता व डेटा संप्रेषण तीव्रता के लिए PPP मॉडल पर कार्य करते हुए तकनीक, वित्त एवं अनुसंधान पर ध्यानदेकर मानकों का निर्धारण करना चाहिए।

निष्कर्षतः 5G भविष्य की तकनीक है अतः विभिन्न उपायों के माध्यम से भारत इस क्षेत्र में विश्व का नेतृत्वकर्ता बन सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

16. विश्व भर के महासागरों में माइक्रोप्लास्टिक एक नया संकट बन कर उभरा है। माइक्रोप्लास्टिक क्या है, इसके स्रोत तथा इस संकट से निपटने के लिये संभावित उपाय क्या हैं? (250 शब्द) 15

Microplastic has become a new menace in oceans around the world. Explain what are microplastics, their sources and possible measures to counter this menace. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानवीय हस्तक्षेप के कारण समुद्र भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहे हैं तथा इनमें जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व माइक्रोप्लास्टिक शामिल है।

~~माइक्रो~~ माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक के छोटे आकार के कण है जो आकार से अत्यंत छोटे होते हैं तथा समुद्री ~~अर्थव्यवस्था~~ पारितंत्र व उनके स्वास्थ्य को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है।

<u>नया संकट क्यों?</u>

① माइक्रोप्लास्टिक का प्रयोग जीवन के सभी क्षेत्रों में किया जा रहा है इस कारण इस पर नियंत्रण कठिन है।

② माइक्रोप्लास्टिक जैव संचयन व जैव आवर्धन के कारण जीवों को प्रतिकूल रूप से दीर्घकाल तक प्रभावित करते हैं।

③ माइक्रोप्लास्टिक पर नियंत्रण बड़ा कठिन है तथा इसके स्रोतों की पहचान सम्भव ~~[illegible]~~ मुश्किल है।

④ माइक्रोप्लास्टिक जीव के माध्यम से मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है।

⑤ माइक्रोप्लास्टिक पर नियंत्रण व इसके प्रभाव को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

कम करने की प्रभावी व्यवस्था नहीं है।

स्रोत

① माइक्रोप्लास्टिक फेसवाश, साबुन व अन्य कॉस्मेटिक में प्रयोग किया जाता है।

② माइक्रो प्लास्टिक खाद्य पदार्थों व औद्योगिक अपशिष्ट से भी पैदा होता है।

③ माइक्रोप्लास्टिक का उत्पादन वस्त्र उद्योग, रसायन व कीटनाशक उद्योग भी है।

④ माइक्रोप्लास्टिक का बड़ा स्रोत पेट्रोलियम रिफाइनरी, प्लास्टिक उत्पाद है।

⑤ माइक्रो प्लास्टिक हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रयोग की जाती है। इस कारण इसके स्रोत भी विस्तारित है।

उपाय

① सिंगल यूज प्लास्टिक पर 2022 तक नियंत्रण वाले के लक्ष्य का क्रियान्वयन।

② औद्योगिक क्षेत्र में अपशिष्ट निपटन की तकनीक का उन्नयन व समुद्रों में अपशिष्ट निपटन पर नियंत्रण।

③ समुद्री जीवों में माइक्रोप्लास्टिक की प्रभावी निगरानी तथा समय पूर्व उपायों पर ध्यान देना।

④ दैनिक जीवन के उत्पादों (कॉस्मेटिक) को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अन्य प्रकृति सहयोगी उत्पादों से प्रतिस्थापित करना।

(5) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से माइक्रोप्लास्टिक के लिए मानकों का निर्धारण व उन माइक्रोन से कम आकार की प्लास्टिक के उत्पादन पर नियंत्रण

(6) कृषि क्षेत्र में परम्परागत इनपुटों को बढ़ावा तथा सुपोषण की क्रिया पर नियंत्रण।

निष्कर्षतः समुद्र व मानवीय जीवन के संरक्षण के लिए माइक्रोप्लास्टिक पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से नियंत्रण किया जाना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. भारत भूमि क्षरण एवं मरुस्थलीकरण के मुद्दे से निपटने के लिये वर्ष 2019 में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय (यू.एन.सी.सी.डी.) के पक्षकारों के सम्मेलन की मेज़बानी करेगा। भारत में भूमि क्षरण एवं मरुस्थलीकरण के क्या कारण हैं और इन्हें किस प्रकार हल किया जाना चाहिये? (250 शब्द) 15

India will host a session of the Conference of Parties to United Nations Convention to Combat Desertification (UNCCD) in 2019 to address the issue of land degradation and desertification. What are the reasons of land degradation and desertification in India and how to deal with it? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यू. एन. सी. सी. डी. ने 2030 तक लैंड डिग्रेडेशन न्यूट्रिलिटी का लक्ष्य निर्धारित किया है तथा भारत भी इस लक्ष्य के प्रति ~~प्रति~~ प्रतिक्रिया कर रहा है

वर्तमान में मानवीय एवं प्राकृतिक कारणों से भूमि का लगातार क्षरण हो रहा है तथा इसमें मानवीय कारणों की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। भारत भी इस समस्या से प्रभावित है तथा भारत की भूमि भी क्षरण का सामना कर रही है

(कारण)

1. अवैज्ञानिक कृषि एवं सिंचाई पद्धतियों के कारण भूमि क्षरण हो रहा है। फ्लड सिंचाई के कारण भूमि का अपरदन हो रहा है तो एकल कृषि उत्पादकता में कमी ला रही है।
2. कृषि में बढ़ते कीटनाशक तथा अपशिष्टों के निपटान की उचित व्यवस्था का अभाव भी भूमि क्षरण का कारण है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ बाढ़ एवं सूखे के कारण भूमि का क्षरण हो रहा है।
④ खनन एवं औद्योगिक गतिविधियों के उत्सर्जन के कारण भूमि की उत्पादकता में लगातार कमी आ रही है।
⑤ वनों की लगातार कटाई व अनियंत्रित पशुचारण के कारण मरुस्थल का प्रसार हो रहा है।
⑥ भूमि क्षरण एवं मरुस्थलीकरण के लिए भूमिगत जल का अतिदोहन, जल भराव व अम्लीकरण, लवणीकरण भी जिम्मेदार है।
⑦ मानवीय गतिविधियों के कारण आर्द्रभूमि तथा पीटलैण्ड का भी क्षरण हो रहा है।

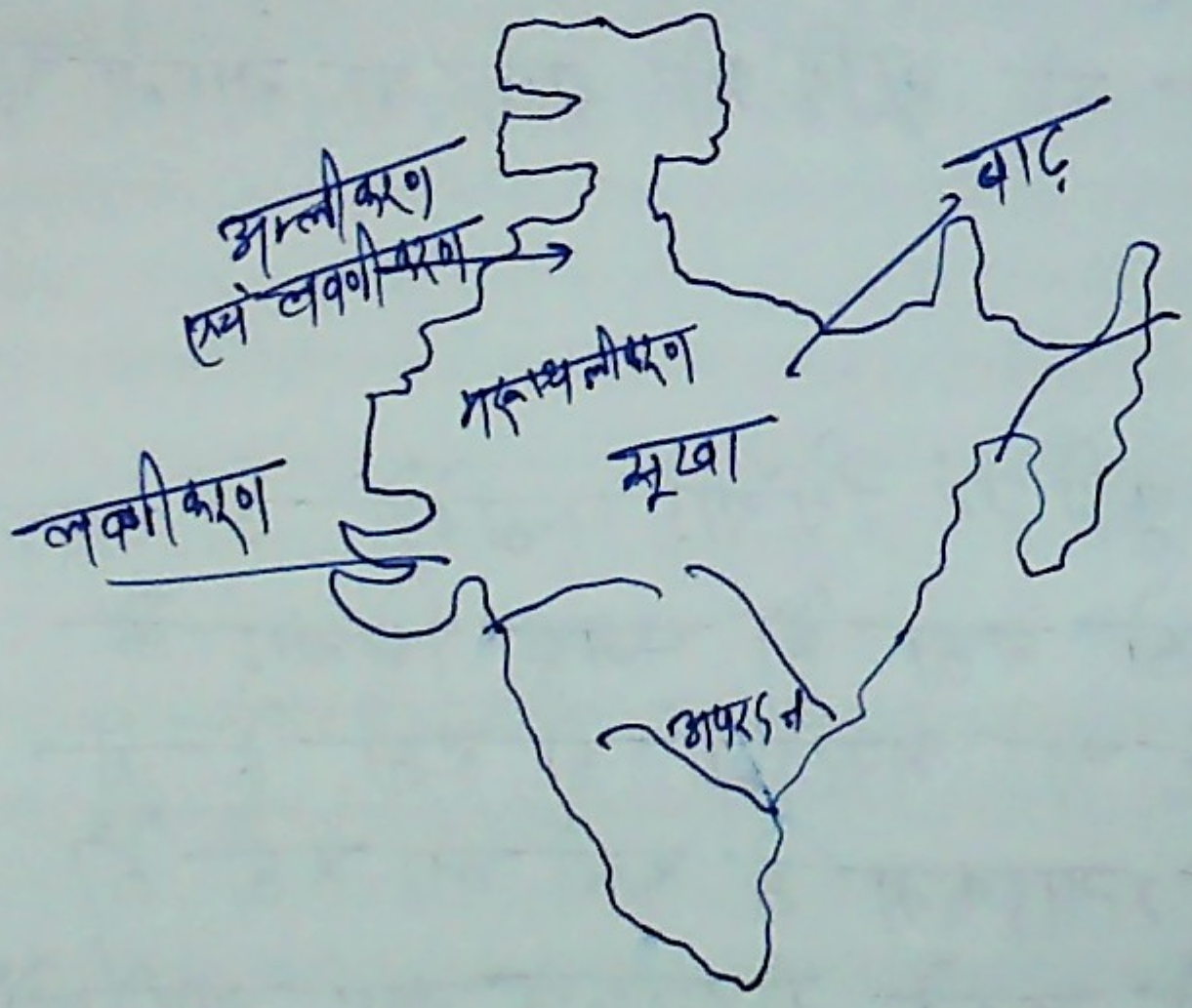

उपाय
① भूमि का वैज्ञानिक उपाय, परम्परागत कृषि-औद्योगिक कृषि के साथ-साथ केवल चक्रण पर बल।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (2008) को प्रभावी रूप से लागू करना।

(7) इजरायल के सहयोग से सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा।

(5) नदी जोड़ो योजना के माध्यम से बाढ़ व सूखा की समस्या का समाधान।

(3) औद्योगिक अपशिष्ट निपटान की उचित व्यवस्था तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड व अन्य योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करना।

(6) मरुस्थल में वनों को लगाना तथा नियंत्रित पशुचारण पर बल।

(7) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग व 2030 तक LDN कार्यक्रम को प्रभावी रूप से लागू करना।

निष्कर्षतः कृषि व जल संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ भूमि गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए बहुआयामी समाधानों की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एन.डी.एम.पी.) आपदा प्रबंधन चक्र के सभी चरणों के लिये सरकारी एजेंसियों को एक रूपरेखा तथा दिशा-निर्देश प्रदान करती है। सुस्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

The National Disaster Management Plan (NDMP) provides a framework and direction to the government agencies for all phases of disaster management cycle. Elucidate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

सेंडाई फ्रेमवर्क के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाने व आपदा प्रबंधन के सुस्पष्ट ढाँचे का निर्माण करने के लिए 2016 में 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना' तैयार की गई।

यह योजना सेंडाई फ्रेमवर्क के उच्चाद उद्देश्यों को भी शामिल करती है तो आपदा प्रबंधन के प्रत्येक चक्र पर प्रभावी कार्यवाही का भी वर्णन करती है।

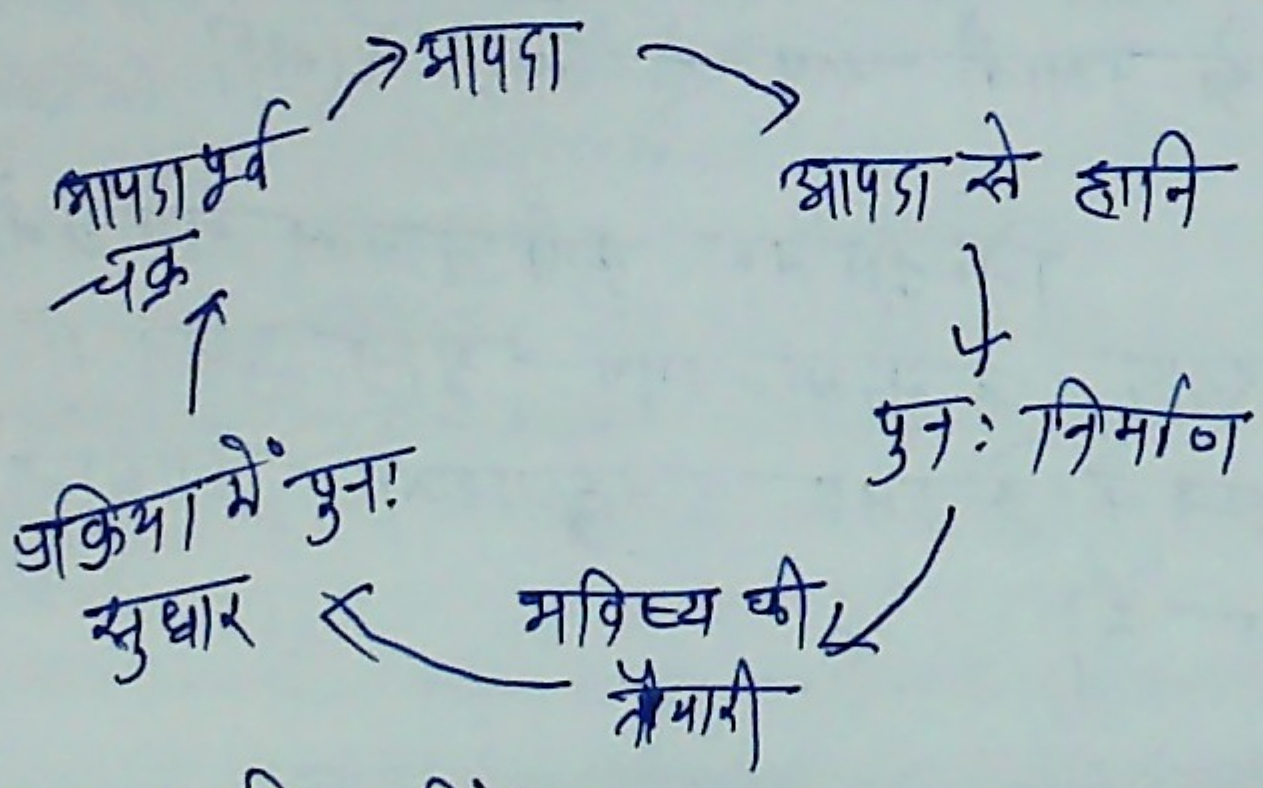

रूपरेखा व दिशा निर्देश

- इसके तहत आपदा के अध्ययन, आपदा प्रबंधन में सुधार, संस्थागत व गैर संस्थागत उपायों से आपदा प्रबंधन में निवेश बढ़ाना तथा भविष्य की तैयारी के बारे में बताया गया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

② आपदा प्रबंधन योजना राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को आपदा पूर्व चक्र के बारे में बताती है। इसके तहत पुरानी आपदा के कारणों व प्रभावों का मूल्यांकन करने के साथ-साथ भविष्य की तैयारी पर भी बल देती है।

③ यह योजना बताती है कि केन्द्र व राज्यों के मध्य आपदा पूर्व चक्र में सहयोग के माध्यम से किस प्रकार कार्य किया जाना चाहिए।

④ यह योजना आपदा के दौरान अधिकारियों की त्वरित प्रतिक्रिया व जन सहभागिता आधारित आपदा प्रबंधन चक्र पर बल देती है।

⑤ आपदा बचाव में अधिकारियों के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश व रूपरेखा का निर्माण किया गया है।

⑥ योजना बताती है कि आपदा पश्चात पुनर्निर्माण व लोगों के पुनर्वास के लिए अधिकारियों को किस प्रकार कार्य किया जाना चाहिए।

⑦ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना कर्मचारियों के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण व नवीन तकनीकों के अपनाने पर भी बल देती है।

⑧ इस योजना के तहत आपदा के लिए प्रभावी चेतावनी प्रणाली, अधिकारियों के मध्य समन्वय

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तथा पारदर्शिता व जवाबदेहिता का निर्धारण किया गया है।

व्यवहार में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं किया जाता तथा विभिन्न अधिकारियों के मध्य समन्वय का अभाव रहता है तथा सूचना प्रणाली भी बाधित रहती है।

निष्कर्षतः आपदा प्रबंधन में दक्षता के लिए इस योजना के दिशा निर्देशों व रूपरेखा को व्यवहार में भी क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. हाल के वर्षों में हुए डेटा विस्फोट (Explosion) ने समाज को कई गुना लाभान्वित किया है। बताइये कि साझा की गई सूचना को सार्वजनिक संपत्ति के समान क्यों माना जाता है? (250 शब्द) 15

Concurrent with the data explosion of recent years, its benefit to society has increased manifold. Explain why shared data be treated as a public good? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

माना जा रहा है कि 21 वीं सदी डेटा की सदी है तथा डेटा 21 वीं सदी का तेल है जो रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

वर्तमान में बढ़ते ऑनलाइन क्रियाकलापों के कारण डेटा विस्फोट की स्थिति उत्पन्न हुई है।

समाज को लाभ

① डेटा के कारण सरकारी योजनाओं का वास्तविक क्रियान्वयन हुआ है तथा डेटा का लाभ समाज को मिला है। (उदा० - प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना)

② डेटा के कारण ज्ञान आधारित समाज का निर्माण हुआ है तथा लोगों की सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ी है।

③ डेटा के कारण महिलाएँ भी अपने अधिकारों के प्रति सचेत हुई हैं तथा उनके लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

④ डेटा विस्फोट के कारण वैश्वीकरण के सकारात्मक लाभ समाज में फैले हैं तथा कई रूढ़िवादियों पर प्रहार हुआ है।

⑤ डेटा के कारण बढ़ता ग्लोबलाइजेशन, डिजिटल भुगतान व निम्न वर्ग की चेतना भी समाज के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लिए लाभदायक है।

व्यक्तियों द्वारा साझा की गई सूचना को सार्वजनिक सम्पत्ति के रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए -

① इस प्रकार सार्वजनिक सम्पत्ति के समान डेटा का संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति का उत्तरदायित्व बन जाता है।

② सार्वजनिक सम्पत्ति के समान डेटा का उपयोग सुशासन के लिए किया जाना चाहिए।

③ डेटा को सार्वजनिक सम्पत्ति के रूप में मानने से सरकार का संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व बढ़ जायेगा।

④ डेटा को सार्वजनिक सम्पत्ति मानने से इसका प्रयोग रोजगार, निवेश व अन्य कई कल्याणकारी योजनाओं को गतिशील करने में किया जा सकेगा।

⑤ डेटा को सार्वजनिक सम्पत्ति मानने से इसके प्रयोग पर आरोपित नियंत्रणों में कमी आयेगी तथा जागरूक समाज का निर्माण किया जा सकेगा।

साथ ही सार्वजनिक सम्पत्ति मानने के अलावा इस पर व्यक्ति का निजी अधिकार भी स्वीकार होना चाहिए। निजता के अधिकार के संरक्षण को वरीयता दी जानी चाहिए। व्यक्ति की सहमति के पश्चात ही डेटा का प्रयोग सार्वजनिक सम्पत्ति के रूप में किया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जाना चाहिए।

निष्कर्षतः बी. एन. श्रीकृष्णा समिति के अनुसार डेटा की श्रेणी में डेटा सार्वजनिक सम्पत्ति होने के साथ-साथ इसका संरक्षण व्यक्ति का मौलिक अधिकार भी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये ई-कॉमर्स के महत्त्व की व्याख्या कीजिये। राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति मसौदा किस सीमा तक ई-कॉमर्स क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान करता है? (250 शब्द) 15

Explain the importance of e-commerce for Indian economy. To what extent does draft national e-commerce policy address the challenges of e-commerce sector? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ई-कॉमर्स सूचना तकनीक पर आधारित एक विपणन तकनीक है जहाँ उपभोक्ता व विक्रेता के मध्य एक व्यावसायी संबंध होता है।

वर्तमान में भारत में ई-कॉमर्स बाजार $ 50 बिलियन के लगभग है जो कुछ समय में $ 500 बिलियन हो जायेगी।

महत्व

① ई-कॉमर्स भारत में ~~विनिर्माण~~ गतिविधियों को बढ़ावा देगा तथा रोजगार वितीय संवृद्धि को देश से बाहर निकला जा सकेगा।

② ई-कॉमर्स के कारण विदेशी निवेश में वृद्धि होगी।

③ ई-कॉमर्स से सृजित डेटा का उपयोग लक्षित नीति निर्माण व नीतियों के क्रियान्वयन में किया जा सकेगा।

④ ई-कॉमर्स के कारण रोजगार को बढ़ावा मिलेगा जो कच्चत व पूंजी निर्माण के माध्यम आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देगा।

⑤ ई-कॉमर्स के कारण गुणवत्ता व वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा में भी सुधार होगा जिसका फायदा उपभोक्ता को मिलेगा।

ई-कॉमर्स पर नियंत्रण करने के लिए ई कॉमर्स मसौदा तैयार किया गया—

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

① इसके तहत ई-कॉमर्स को परिभाषित किया गया।
② इसमें डेटा स्थानीयकरण का प्रावधान है।
③ ई-कॉमर्स के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों के हितों के संरक्षण की भी बात की गई है।
④ इस मसौदे में निजता के अधिकार की सुरक्षा के लिए डेटा पर नियंत्रण की बात की गई है।
⑤ विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए मानकों को सरल बनाया गया।
⑥ सिंगल ब्रॉण्ड में निवेश पर कुछ प्रतिबंध आरोपित किये गये।

चुनौतियाँ ① यह मसौदा ई-कॉमर्स कम्पनियों में अविश्वास पैदा करता है क्योंकि निवेश प्रावधानों में अनिश्चितता बनी हुई है।
② मसौदे में निजता के अधिकार (पुट्टास्वामी वाद) के संरक्षण के पर्याप्त उपाय नहीं किये गये हैं।
③ ई-कॉमर्स क्षेत्र में एकाधिकार को तोड़ने के लिए भी इस मसौदे में पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई।
④ डेटा स्थानीयकरण के मुद्दे पर भी ई-कॉमर्स कम्पनियों व सरकार के मध्य मतभेद विद्यमान है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

निष्कर्षतः ई-कॉमर्स से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान कर इसे निवेश, तकनीक व रोज़गार का माध्यम बनाया जा सकता है जहाँ डेटा संरक्षण पर पर्याप्त ध्यान हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation